सांध्य दैनिक 4PM

कुछ भी उपयुक्त हासिल करने के लिए तीन महत्त्वपूर्ण चीजें हैं – कड़ी मेहनत, दृढ़ता, और कॉमन सेन्स।

–थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 111 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 मई, 2024

रायल्स को हराकर सनराइजर्स फाइनल... 7 | क्या गुजरात देगा बीजेपी का... 3 | छठे चरण के बाद बीजेपी का पूरी... 2

तपिश के साथ बढ़ा मतदान नए वोटरों में दिखा उफान

एकबार फिर वोटिंग में बंगाल अव्वल निकला, ओडिशा फिसड्डी

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति सोनिया गांधी ने दिल्ली में डाला वोट
- खट्टर, महबूबा व मेनका की किस्मत ईवीएम में होगी कैद
- छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 58 सीटों पर हो रहा मतदान
- 889 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 11.13 करोड़ से अधिक मतदाता करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 के छठे चरण के तहत शनिवार (25 मई 2024) को मतदान जारी है। सुबह वोटिंग में तेजी देखने को मिली पर दिन चढ़ते-चढ़ते धीमी हुई वोटिंग तपिश के कम होने के बाद धीरे-धीरे बढ़ने लगी। वहीं बूथ स्थलों पर युवा मतदाताओं में वोट देने में जोश दिखाई दिया। उधर दोपहर 1 बजे तक पूरे देश 39.13 प्रतिशत वोटिंग होने की खबर है। सबसे ज्यादा मतदान बंगाल में जबकि ओडिशा में सबसे कम वोटिंग देखने को मिल रही है यूपी की 14 सीटों पर मतदान जारी है। मतदान के दौरान कई लोकसभा सीटों पर ईवीएम में दिक्कत और अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आ रही हैं।

छठे चरण में बिहार की आठ सीटें, हरियाणा की सभी 10 सीटें, जम्मू-कश्मीर की एक सीट, झारखंड की चार, दिल्ली की सभी सात सीटें, ओडिशा की छह, उत्तर प्रदेश की 14 और पश्चिम बंगाल की आठ सीटें शामिल हैं। छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 58 सीटों पर मतदान होना है और 11.13 करोड़ से अधिक मतदाता दो पूर्व मुख्यमंत्रियों – मनोहर लाल खट्टर सहित 889 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

हर वोट मायने रखता है, ज्यादा से ज्यादा वोट दें : मोदी

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में बाहर आने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधान मंत्री ने कहा, मैं उन सभी से आग्रह करता हूं जो 2024 के लोकसभा चुनाव के छठे चरण में मतदान कर रहे हैं, बड़ी संख्या में मतदान करें। प्रत्येक वोट मायने रखता है, अपना भी मत गिनें! लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब उसके लोग इसमें शामिल होते हैं। और चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय हूं। मैं विशेष रूप से महिला मतदाताओं और युवा मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं।

सोनिया, राहुल और प्रियंका ने किया मतदान

इस बार आम चुनाव कांग्रेस और खासतौर पर गांधी परिवार के लिए बेहद खास है। दरअसल ये पहली बार होगा जब आम चुनाव में गांधी परिवार ने अपनी पार्टी यानी कांग्रेस के लिए मतदान नहीं किया होगा। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी दिल्ली के मतदाता है और नई दिल्ली लोकसभा सीट पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते आए हैं, बीते कई आम चुनाव से कांग्रेस इस सीट से अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारती रही है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के सहयोगी आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस दिल्ली में मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। यह दिल्ली में पहला ऐसा लोकसभा चुनाव है जिसमें 'आप और कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को मतदान करने के बाद कहा कि देश की जनता ने इस लोकसभा चुनाव में झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को नकार दिया है। मतदान के बाद अपनी मां सोनिया गांधी के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया,

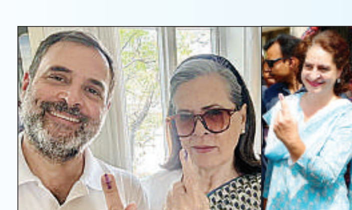

देशवासियों, पहले पांच चरणों के मतदान में आपने झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को नकार कर अपने जीवन से जुड़े ज़मीनी मुद्दों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, आज छठे चरण का मतदान है और आपका हर वोट सुनिश्चित करेगा कि युवाओं के लिए 30 लाख सरकारी पदों पर भर्ती और एक लाख रुपये प्रति साल की पहली नौकरी पक्की योजना शुरू हो जाए, गरीब परिवारों की महिलाओं के खातों में 8,500 रुपये महीना आने लगे, किसान कर्ज़ मुक्त हों और उन्हें फसल पर सही एमएसपी मिले, मजदूरों को 400 रुपये का दैनिक मेहनताना मिले।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डाला वोट

देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नयी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में शनिवार को मतदान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुर्मू सुबह करीब नौ बजे राष्ट्रपति संपदा के तहत डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचीं। मतदान करने के बाद राष्ट्रपति ने मतदान केंद्र के बाहर मीडियाकर्मियों के समक्ष स्याही लगी अपनी उंगली दिखाते हुए फोटो खिंचाया। मतदान केंद्र को गुलाबी और सफेद रंगों से सजाया गया था। ओडिशा की रहने वालीं मुर्मू ने 25 जुलाई, 2022 को भारत की 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्हें पिछले साल 28 नवंबर को अद्यतन पते के साथ अपना नया मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हुआ। उनके पुराने मतदाता पहचान पत्र पर उनका ओडिशा का पता दर्ज था।

पीडीपी और टीएमसी ने ईवीएम से छेड़खानी का आरोप लगाया

टीएमसी ने एक्स पर लिखा कि ममता बनर्जी ने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे भाजपा ईवीएम के साथ छेड़छाड़ करके वोटों में हेराफेरी करने की कोशिश कर रही थी। बांकुरा के रघुनाथपुर में 5 ईवीएम पर बीजेपी का टैग लगा हुआ मिला। चुनाव आयोग को तुरंत इस पर गौर करना चाहिए और सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए! आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए, चुनाव आयोग ने ट्वीट करते हुए कहा कि कमीशनिंग के दौरान, कॉमन एड्रेस टैग पर उपस्थित उम्मीदवारों और उनके एजेंटों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। चूंकि उस दौरान कमीशनिंग हॉल में केवल भाजपा उम्मीदवार के प्रतिनिधि मौजूद थे, इसलिए कमीशनिंग के दौरान उनके हस्ताक्षर लिए गए थे। हालाँकि, मतदान के

फोटो-कॉन्सेप्ट

दौरान पीएस संख्या 56,58, 60, 61,62 में उपस्थित सभी एजेंटों के हस्ताक्षर प्राप्त किए गए थे। कमीशनिंग के दौरान सभी ईसीआई मानदंडों का विधिवत पालन किया गया था, यह पूरी तरह से सीसीटीवी कवरेज के तहत किया गया था और इसकी विधिवत वीडियोग्राफी की गई थी। वहीं

अनंतनाग-राजौरी सीट से उम्मीदवार महबूबा मुफ्ती ने भी ईवीएम पर टैंपरिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के पोलिंग एजेंटों को पुलिस स्टेशनों में बंद किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीपी कार्यकर्ताओं को बिना किसी कारण के पुलिस स्टेशनों में बंद किया जा रहा है। इसमें डीजी, एलजी, ऊपर से लेकर नीचे तक सभी अधिकारी शामिल हैं. उन्होंने पीडीपी के पोलिंग एजेंटों को पुलिस स्टेशनों में बंद कर दिया है। आपने कहा था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे लेकिन आप यह सब कर रहे हैं। कई जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़ करने की कोशिश की जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान, कन्हैया व राज बब्बर हैं प्रमुख उम्मीदवार

राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। कुछ प्रमुख उम्मीदवारों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी शामिल हैं। अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में बांसुरी स्वराज, सोमनाथ भारती, मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार, दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ, धर्मेंद्र यादव, अभिजीत गंगोपाध्याय, अग्निमित्रा पॉल, नवीन जिंदल, राज बब्बर, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और अपराजिता सारंगी शामिल हैं।

छठे चरण के बाद बीजेपी का पूरी तरह से होगा सफाया : अखिलेश

» बोले- पूर्वांचल में इंडिया गठबंधन रचेगा इतिहास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश से भाजपा की विदाई तय है। लगातार पांच चरणों के मतदान में भाजपा का ग्राफ गिरा है। पूर्वांचल से भाजपा का पूरी तरह से सफाया होगा। समाजवादी पीडीए परिवार इंडिया गठबंधन के साथ जिस तरह भाजपा का सफाया कर रहा है, उससे साफ है कि छठे व सातवें चरण के चुनाव में इंडिया गठबंधन सभी 27 सीटें जीतकर इतिहास रचने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के झूठे वादों से जनता में आक्रोश है।

भाजपा ने लोगों को वैक्सीन लगवाकर उनका जीवन संकट में डाल दिया। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से भी इलेक्टोरल बांड से वसूली कर ली। कंपनियों ने लोगों को लूटा है। भाजपा जनता के मुद्दों से मुंह चुरा रही है। बीते 10 साल में किसान सबसे ज्यादा परेशान रहा है। उनकी आय दोगुनी तो हुई नहीं, उत्पादन लागत ब?ा दी गई। बिजली, खाद, कीटनाशक, डीजल, पेट्रोल महंगा कर दिया। नौजवानों की एक तिहाई जिंदगी बेकार हो गई है। सरकार पेपर लीक कराकर नौजवानों के भविष्य से खिलवा? कर रही है। करीब 30 लाख पद रिक्त हैं पर भाजपा सरकार भर्ती नहीं कर रही। भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं है। संविधान में दिया गया आरक्षण समाप्त किया जा रहा है। आउटसोर्स से भर्तियां की जा रही है। सामाजिक न्याय से भाजपा को परहेज है।

प्रियंका-अखिलेश गोरखपुर में भरेंगे हुंकार, डिंपल यादव के साथ बनारस में रोड शो भी

छठे चरण के लिए प्रचार का शोर थमने के साथ राजनीतिक दलों ने अब 7वें चरण की सीटों पर पूरा फोकस कर दिया है। इसके तहत इंडी गठबंधन के दलों ने इस चरण की प्रमुख सीटों वाराणसी और गोरखपुर पर फोकस होकर प्रचार तेज किया है। इसके लिए प्रमुख नेताओं का कार्यक्रम भी तय किया है। 25 मई को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के साथ गोरखपुर में सहारा क्रिकेट स्टेडियम में सपा प्रत्याशी काजल निषाद के समर्थन में संयुक्त सभा करेंगे। वहीं शाम को वाराणसी में प्रियंका गांधी, डिंपल यादव के साथ कांग्रेस प्रत्याशी व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समर्थन में दुर्गाकुंड से रोड शो भी करेंगी। इसी तरह 28 मई को वाराणसी में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की संयुक्त सभा का भी कार्यक्रम तय किया गया है। इन सभा व रोड शो के माध्यम से इंडी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाएंगे।

हाईकोर्ट के आदेश को देंगे चुनौती : ममता

» ओबीसी प्रमाणपत्रों पर बंगाल में मचा है बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार 2010 के बाद से राज्य में जारी किए गए सभी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती देगी।

ममता बनर्जी ने दक्षिण 24 परगना जिले के सागर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गर्मी की छुट्टियों के बाद आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में अपील करेगी। उन्होंने कहा, हम ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द करने संबंधी आदेश को नहीं मानते। हम ग्रीष्म अवकाश के बाद शीर्ष अदालत में अपील करेंगे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिया गया अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा बुधवार को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी की सूची में शामिल करना उनके साथ वोट बैंक की तरह बर्ताव करना है। बनर्जी ने चुनावी रैली में अपने संबोधन में मतदाताओं से आग्रह किया कि वे तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर भाजपा या किसी अन्य पार्टी को एक भी वोट न दें ताकि विपक्षी गठबंधन इंडिया केंद्र में सरकार बना सके।

एलजी व आप सरकार में फिर ठनी

» अब वोटिंग पर हो गई कहासुनी

» बीजेपी की गठबंधन के वोटरों को परेशान करने की योजना : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मतदान से कुछ घंटे पहले उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार में फिर तकरार देखने को मिली। एलजी कार्यालय ने शनिवार को बिजली-पानी की सुविधा प्रभावित करने का मुद्दा उठाया तो दिल्ली सरकार ने मतदान की गति प्रभावित करने का।

बिजली मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पुलिस को आदेश दिए हैं कि जहां इंडिया गठबंधन के वोटर भारी संख्या में हैं, वहां वोटिंग धीरे करवानी है, ताकि लोगों को वोट डालने में दिक्कत हो। प्रशासन की ओर से भाजपा को जिताने का ऐसा कोई भी प्रयास गैरकानूनी व गैरलोकतांत्रिक है। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग इसका संज्ञान लेगा और ऐसे किसी भी प्रयास पर रोक लगाएगा।

वोटरों को भड़काने का काम कर रही आप : एलजी

एलजी कार्यालय ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन लोगों को भड़काने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से बिजली-पानी आपूर्ति बाधित करने की साजिश रची गई है, ताकि लोग भाजपा के खिलाफ वोट करें। केजरीवाल के आदेश पर बिजली व जल मंत्री आतिशी ने बिजली कंपनियों व जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि सभी इलाकों में जानबूझकर बिजली काटी जाए व पानी की सप्लाई न की जाए, ताकि दिल्लीवासी परेशान हों। केजरीवाल ऐसा इसलिए कर रहे हैं, ताकि केंद्र सरकार पर दोषारोपण कर दिल्ली वासियों को भ्रमित किया जा सके।

राष्ट्रपति प्रदेश की बेटी हैं इसलिए बीजद ने राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन किया था : पटनायक

» बीजद ने अपने चुनावी घोषणापत्र में प्रति माह 100 यूनिट से कम खपत करने वाले सभी परिवारों को मुफ्त बिजली देने का वादा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रदेश की बेटी हैं और इसीलिए बीजू जनता दल (बीजद) ने राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन किया था। मुर्मू के पैतृक स्थल मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पटनायक ने उन्हें (मुर्मू) अपनी बहन बताया। पटनायक ने कहा, प्रदेश की बेटी और मेरी बहन द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति हैं। इस मिट्टी की बेटी का सम्मान करते हुए बीजू जनता दल ने राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन किया था।

जनसभा में उन्होंने लोगों से उनकी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रतिक्रिया भी ली और उन्हें मुफ्त बिजली देने के अपने चुनावी वादे के बारे में भी बताया। पटनायक ने जनसभा में उपस्थित लोगों से पूछा, आपको जुलाई से बिजली का बिल नहीं मिलेगा। क्या आप खुश हैं, जिसका लोगों ने जोर से हां में जबाव दिया। बीजद ने अपने चुनाव घोषणापत्र में प्रति माह 100 यूनिट से कम खपत करने वाले सभी परिवारों को मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। 100-150 यूनिट तक खपत करने वाले परिवारों के लिए 50 यूनिट मुफ्त होंगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से पार्टी के मयूरभंज लोकसभा उम्मीदवार सुदाम मरांडी और इस संसदीय क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने का आग्रह किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिना स्पष्टीकरण के मेरे मोबाइल की आउटगोइंग बंद की गई : महबूबा

» बीजेपी पर हमलावर हुई पीडीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर से फोन करने की (आउटगोइंग कॉल) सुविधा बिना किसी स्पष्टीकरण के निलंबित कर दी गई है। महबूबा ने कहा कि मैं सुबह से कोई फोन कॉल नहीं कर पा रही हूं। अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दिन अचानक सेवाओं को निलंबित करने का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री अनंतनाग-राजौरी क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। इस सीट के लिए शनिवार को मतदान हो रहा है। पीडीपी ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए इस मुद्दे को उठाया। इसमें कहा गया, चुनाव से ठीक पहले महबूबा मुफ्ती की मोबाइल फोन सेवा अचानक बंद कर दी गई है। मतदान क्षेत्र में कई पीडीपी कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट को कल शाम और आज तड़के हिरासत में लिया गया। मुफ्ती ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर दावा किया था कि पीडीपी कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

क्या गुजरात देगा बीजेपी का साथ!

कांग्रेस ने हर मोड़ पर भाजपा को घेरा

- » आप ने बढ़ाई शाह की टेंशन
- » क्षेत्रीय नेताओं की नाराजगी पड़ सकती है भारी
- » 2019 में 26 सीटें मिलीं थीं, विस चुनाव में भाजपा को मिला था झटका
- » चुनाव के बाद सीटों को लेकर चर्चा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश में इस समय मतदान प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंव गई है। अब खास से लेकर आमजन अपनी-अपनी चहेती पार्टियों को ज्यादा से ज्यादा सीटें दिला रहें है। राजग, इंडिया गठबंधन, कांग्रेस, बीजेपी, आप, सपा, बसपा, टीएमसी से दक्षिण से लेकर पूर्व तक के हर राजनीतिक दलों को लोग अपने-अपने विश्लेषण में लोकसभा सीटें जीतने की बातें कर रहे हैं। लोग राज्यों के हिसाब से भी चर्चा कर रहे हैं। इसी क्रम में कई राजनैतिक पंडित प्रधानमंत्री मोदी के गृह राज्य गुजरात पर भी जोरदार बहस करे रहे हैं।

वहां चूकि 2019 में उसे सारी की सारी 26 सीटें मिली थी ऐसे में बीजेपी के समर्थक तो यही कह रहें है पूरी तरह ये वह वहां क्लीन स्वीप करेगी पर जिस तरह से गुजरात के विधान सभा चुनाव में भाजपा को आम आदमी पार्टी ने झटका देकर जहां उसके वोटरों में सेंधमारी करके उसको बहुत परेशान कर दिया था उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि गुजरात में कुछ सीटें बीजेपी गंवा सकती है। दरअसल विधान सभा चुनाव में आप ने लगभग 14 प्रतिशत मत हासिल किए थे और 4 सीटें भी प्राप्त की थी। सबसे बड़ी बात वह उस समय अकेले चुनाव लड़ रही जबकि लोस चुनाव में वह कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन के बैनर तले लड़ रही है।

गुजरात में बीजेपी कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता 400 पार के नारे के प्रति दिख रही है। गुजरात की जनता का रुख 1989 के बाद से गुजरात के हर संसदीय चुनाव में बीजेपी का दबदबा रहा है। खास तौर पर 2014 और 2019 में तो बीजेपी ने सभी 26 सीटें जीती थीं। गुजरात महात्मा गांधी और सरदार पटेल की भूमि है। इसके अलावा यह भूमि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी है। जिन्होंने अपने कर्मों की बदौलत गुजरात को सजाकर और संवारकर विकसित बनाया है। पीएम मोदी भारत को भी विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन 10 सालों में कई ऐसे काम किये हैं जो अब तक नामुमकिन समझ जाते थे। इसलिए आज मोदी है तो मुमकिन है यह कोई चुनावी नारा नहीं है बल्कि हकीकत बन चुका है। देश में तीसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। 26 सीटों में से एक सूरत पर बीजेपी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। पिछले चरणों में वहां पर चुनाव हो चुके हैं।

इसबार पाटीदार और क्षत्रिय हो सकते हैं गेमचेंजर

यह विरोध प्रदर्शन पार्टी की योजनाओं को उसे तरह बाधित नहीं कर सकते थे जिस तरह से कोटा आंदोलन के बाद नाराज पाटीदारों ने किया था। जिसने 2017 के चुनाव में गुजरात की 182 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी की संख्या 100 से नीचे पहुंचा दी थी। इस बार पटेल रूपाला को भाजपा के समर्थन के परिणामस्वरूप कस्बों और गांवों में पाटीदार वोट एकजुट होते दिखे। गांव में क्षत्रियों और पटेलों के बीच प्रतिस्पर्धा दिखी। बीजेपी को इस चुनाव में तथाकथित निचली जातियों का भरपूर समर्थन इसलिए मिला क्योंकि पार्टी क्षत्रियों की मांगों के आगे नहीं झुकी। इसके अलावा एक बात और देखने को मिली है कि राजपूत प्रदर्शनकारी उस तरह से संसाधन नहीं जुटा सके जैसे पाटीदारों ने 2015 के आरक्षण आंदोलन के दौरान किया था। दूसरा क्षत्रियों को समझने का अपने स्तर से प्रयास करने के अलावा भाजपा ने प्रदर्शनकारियों से अपील करने के लिए पूर्व राजघराने के लोगों की भी मदद ली। गुजरात में महिलाएं चाहे किसी भी उम्र या वर्ग की हों, उनकी पहली पसंद मोदी ही हैं। व्यापारियों और युवाओं की भी पहली पसंद मोदी ही नजर आए। क्योंकि उनको लगता है कि वही उनका भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। युवाओं का कहना था कि मोदी की योजनाएं उन्हें नौकरी के पीछे भागने की बजाय इस लायक बना रही हैं वे नौकरी दे सकें। गुजरात के चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा मोदी ही हैं उनके नाम के आगे तमाम मुद्दे छोटे नजर आते हैं। गुजरात के लोगों को लगता है कि उनका बेटा मोदी सही से देश चला रहा है इसलिए वह हर परिस्थिति में उनके साथ ही खड़े रहेंगे।

1989 के बाद से गुजरात के हर संसदीय चुनाव में बीजेपी का दबदबा रहा है।

रुपाला का क्षत्रियों पर दिया बयान बनेगा मुद्दा

केंद्रीय मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्री तथा राज्यसभा सदस्य पुरुषोत्तम रुपाला की क्षत्रियों पर टिप्पणी इस चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा रहा। गोधरा के बाद गुजरात एक नई वास्तविकता के साथ तालमेल बिठा चुका था जिसमें सभी जातियां धर्म की बड़ी छतरी के नीचे आ गई थीं। मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जातिगत मुद्दे शायद ही कभी सामने आए होंगे लेकिन उनके दिल्ली जाने के बाद से हालत में परिवर्तन आया है।

मोदी के दिल्ली जाने के बाद ही विभिन्न समुदायों ने सत्ता से अधिकतम लाभ उठाने के लिए पुनर्गठित होना शुरू कर दिया। पटेल आरक्षण आंदोलन, दलित आंदोलन और 2016-17 में ठाकुरों का शक्ति प्रदर्शन इस बात उदाहरण हैं।

हार्दिक व अल्पेश ने थामा था भाजपा का हाथ

हालांकि जाति के आंदोलन के पीछे के तीन प्रमुख लोगों में से दो हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकुर के बीजेपी में शामिल होने के बाद यह आंदोलन नियंत्रण में आ गए। पटेल शक्तिशाली पाटीदार समुदाय से हैं जो 1980 के बाद से बीजेपी की सफलता का प्रमुख आधार रहे हैं। बताया जाता है कि गुजरात में बीजेपी का उदय काफी हद तक पटेलों के कारण ही हुआ है। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी का कहना था कि पटेलों ने सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले के विरोध में भगवा पार्टी का पूरे दिल से समर्थन किया था। क्षत्रियों और राजपूत पर रूपाला के बयान के बाद बीजेपी के लिए राजनीतिक स्थिति थोड़ी कठिन जरूर हो गई है।

तमाम दलों के नेताओं ने प्रचार में झोंकी थी पूरी ताकत

राज्य में तमाम दलों के नेता प्रचार में पूरी ताकत झोंका था। हालांकि यह चुनाव भी कुछ अलग नहीं लगा क्योंकि संभवत: गुजरात में अब तक भी तेज और बड़ी मोदी लहर चल रही थी। बीजेपी की 2022 की जीत को भारत के विधानसभा चुनाव के इतिहास में किसी भी पार्टी की सबसे बड़ी जीत में से एक के रूप में दर्ज किया गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में गुजरात में बीजेपी ने सूरत की सीट तो निर्विरोध ही जीत ली है। जिसके बाद कांग्रेस ने दावा किया है कि विपक्षी उम्मीदवार इसलिए बाहर हो रहे हैं क्योंकि गुजरात में कोई लोकतंत्र नहीं है।

राज्य में मची थी नेताओं के आने-जाने की भगदड़

कांग्रेस ने बीजेपी को लोकतंत्र का हत्यारा बताना शुरू कर दिया लेकिन कांग्रेस यह नहीं देख रही कि उसके नेताओं, कार्यकर्ताओं और विधायकों में पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थामने की होड़ लगी । उसका असल कारण यह है कि लोगों को कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आ रहा था। दशकों तक कांग्रेस की सेवा करने वाले अर्जुन मोढ़वाडिया हों या दक्षिण और उत्तर गुजरात से कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आने वाले विधायक सभी का यही कहना है कि कांग्रेस का सनातन विरोधी चेहरा हमारे आगे बढ़ाने की राह में सबसे बड़ी बाधा है। गुजरात के लोग बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं और उनको लगता है कि विकास के साथ धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कोई काम कर रहा है तो वह बीजेपी ही है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होने से यहां के लोगों की खुशी देखते ही बन रही है। इसके अलावा गुजरात में लगभग हर घर ऐसा मिल जाएगा जिसके परिवार के लोगों में से कोई ना कोई बीजेपी से किसी न किसी तरह जुड़ा रहा है। गुजरात में खासतौर पर गांधीनगर और अहमदाबाद की दोनों सीटों पर कुछ घंटे में ही समझ आ जाता है कि यहां सवाल बीजेपी की जीत का नहीं बल्कि उसकी जीत के अंतर का है। यहां कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो बीजेपी के अलावा किसी अन्य दल की बात करता हो। अपनी स्थिति मजबूत होने और बूथ लेवल तक संरचनात्मक ढांचा विकसित होने के बावजूद भाजपा 24 घंटे चुनाव जीतने का प्रयास कर रही है। राज्य में चाय की दुकानों पर लोग राजनीतिक गपशप के दौरान चर्चा करते हैं कि कांग्रेस के उम्मीदवार इससे बाहर हो रहे हैं क्योंकि वे राजनीतिक बलि का बकरा बनने के लिए तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के उम्मीदवारों को जो अपमानजनक अंतर से हार का सामना करना पड़ता है उसको देखते हुए पार्टी को उम्मीदवार ढूंढने में भी होती है। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद मुस्लिम समाज के लोग स्पष्ट रूप से बीजेपी के खिलाफ हैं। उनको लगता है कि पार्टी की जीत में मोदी की लोकप्रियता या बीजेपी के विकास का नहीं बल्कि ईवीएम की सेटिंग का सबसे बड़ा हाथ है। इसके अलावा गुजरात में इस चुनाव के दौरान जातिगत तनाव पैदा करने का प्रयास भी हुआ है। जिससे भाजपा को लगातार दो बार से शत-प्रतिशत सीटों पर जीतने से रोका जा सके। टुनावी रैलियों को संबोधित करते समय राजनेता भी जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समझें पानी की हर एक बूंद की कीमत!

"पानी की कमी से बचने का एकमात्र जो उपाय नजर आता है वह पानी की बचत ही है। साथ ही प्राकृतिक वाटरलैंड को संरक्षित करके भी पानी कमी को दूर किया जा सकता है। अपने देश में विडंबना यह भी है कि एक तरफ तो पानी की कमी का रोना है तो वहीं कई राज्यों में नदियों के पानी को लेकर रार मची रहती है। ऐसे में सरकारों को एक नदी जल नीति बनाने की आवश्यकता है जिससे जिन राज्यों में अतिरिक्त पानी है वह कमी वाले राज्यों को पानी दें ताकि वहां की धरती व लोग प्यासे न रहें।"

देश में इस समय प्रचंड गर्मी पड़ रही है। इसी के साथ गांवों से शहरों तक पानी की कमी या सूखे की खबरें भी आ रही हैं। अभी पिछले महीने देश के आईटी शहर बेंगलुरू भीषण पानी की कमी से जूझा। कमोवेश गर्मियों में पानी के लिए परेशान लगभग कई शहर नजर आने लगते हैं। पानी की कमी से बचने का एकमात्र जो उपाय नजर आता है वह पानी की बचत ही है। साथ ही प्राकृतिक वाटरलैंड को संरक्षित करके भी पानी कमी को दूर किया जा सकता है। अपने देश में विडंबना यह भी है कि एक तरफ तो पानी की कमी का रोना है तो वहीं कई राज्यों में नदियों के पानी को लेकर रार भी मची रहती है। ऐसे में सरकारों को एक नदी जल नीति बनाने की आवश्यकता है जिससे जिन राज्यों में अतिरिक्त पानी है वह कमी वाले राज्यों को पानी दें ताकि वहां की धरती व लोग प्यासे न रहें।

बता दें कि देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जबकि सभी नदियों को सम्मिलित जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारतीय नदियों के मार्ग से हर साल 1645 घन किलोलीटर पानी बहता है जो सारी दुनिया की कुल नदियों का 4.445 प्रतिशत है। देश के उत्तरी हिस्से में नदियों में पानी का अस्सी फीसदी जून से सितंबर के बीच रहता है, दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत का है। जाहिर है कि देश में आठ महीनों में पानी का जुगाड़ ना तो बारिश से होता है और ना ही नदियों से। दुखद है कि बरसात की हर बूंद को सारे साल जमा करने वाली गांव-कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गई या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे-चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए। गत तीन दशक के दौरान राज्य की 250 नदियां लुप्त हो चुकी हैं। प्रकृति तो हर साल कम या ज्यादा, पानी से धरती को सींचती ही है। लेकिन असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। हम आज एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में हमारी आत्मा नहीं कांपती है। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलबा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्रोतों- तालाब, कुएं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ सालभर के पानी की कमी से जूझने की रही है। निस्संदेह, प्रकृति जीवनदायी संपदा पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है हमारी जिंदगी का थम जाना। आईए मिलकर पानी को बचाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संविधान की मूल भावना हो आरक्षण की कसौटी

के.पी. सिंह

वर्तमान लोकसभा चुनावों के प्रचार में आरक्षण को लेकर, विशेषकर एक समुदाय के आरक्षण पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। विपक्षी दल कह रहे हैं कि सत्तासीन पार्टी यदि पुन: सरकार बनाने में सफल हो गई तो आरक्षण समाप्त कर देगी। वहीं सत्ता-पक्ष कुछ राज्यों में मुसलमानों को दिए जा रहे आरक्षण पर सवाल खड़ा करके उसे संविधान विरुद्ध बता रहा है। राजनीति को दरकिनार करके यदि देखा जाए तो आरक्षण ऐसी संविधान प्रदत्त गारंटी है जिसके सहारे एक समतामूलक और समावेशी समाज की परिकल्पना की गई थी, और यह तब तक प्रासंगिक रहेगा जब तक सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विषमताएं और भेद-भाव जनित परिस्थितियां दूर नहीं होतीं।

आरक्षण सम्बन्धी प्रावधान संविधान में चार अलग-अलग स्थानों पर वर्णित हैं। अनुच्छेद 330 से 335 तक में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए लोकसभा, विधानसभाओं तथा सरकारी नौकरी में आरक्षण के प्रावधान हैं। एंग्लो-इंडियन समुदाय के दो सदस्यों का लोकसभा में मनोनयन और रेलवे तथा डाक विभाग में दस वर्षों तक आरक्षण का आधार भी इन्हीं अनुच्छेदों में है। यहां महत्वपूर्ण है कि अनुसूचित जातियों के लिए छुआ-छूत जनित भेदभाव, जनजातियों के भौगोलिक एक सांस्कृतिक अलगाव तथा एंग्लो-इंडियन स मुदाय की सीमित संख्या उन्हें आरक्षण एवं मनोनयन का आधार प्रदान करती है। दूसरे, संविधान के अनुच्छेद 15(3), 15(4) एवं 15(5) में महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिला पाने को आरक्षण दिया है। वर्ष 2019 में संविधान संशोधन कर आर्थिक पिछड़ेपन को मान्यता देकर इस वर्ग के लिए दस प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। तीसरे, ऐसे पिछड़े वर्गों, जिनका सरकारी नौकरियों में उचित प्रतिनिधित्व नहीं, के लिए संविधान के अनुच्छेद 16(4), 16(4ए) एवं 16(4बी) में पद आरक्षित किए गए हैं।

वर्ष 2019 में संविधान में नया अनुच्छेद 16(5) जोड़कर आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए भी दस फीसदी नौकरियां आरक्षित की गई। चौथे, पंचायतों एवं नगरपालिकाओं में अनुसूचित जातियों, जनजातियों के लिए आरक्षण प्रावधान अनु. 243डी तथा 243टी में दिए हैं। अनुसूचित जातियों और जनजातियों के राजनीतिक आरक्षण का आधार मूलत: कुछ वर्गों के प्रति छुआछूत बरतना और नागरिक अधिकारों का हनन बना था, सरकार और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के माध्यम से पीड़ित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके इन सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन की अवधारणा संविधान में स्थापित की गई। क्योंकि छुआ-छूत का प्रसार केवल हिन्दू समाज में ही है, इसलिए अनुसूचित जातियों में मुसलमानों का उल्लेख नहीं है। शुरुआत में आरक्षण के प्रावधान केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए थे। पिछड़े वर्गों का आरक्षण सर्वोच्च न्यायालय में श्रीमती चम्पक दोराईराजन प्रकरण (1951) के दौरान केन्द्र बिन्दु में आया, अदालत ने कहा कि यद्यपि अनुच्छेद 16(4) पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों में आरक्षण का उल्लेख करता है, अनुच्छेद 15 में इसका जिक्र तक नहीं है। इसके बाद संविधान में पहला संशोधन किया गया और अनुच्छेद 15(4) जोड़कर सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश संबंधी आरक्षण का प्रावधान कर दिया गया। वर्ष 1953 में पिछड़े वर्गों की दशा का अध्ययन करने के लिए पहला पिछड़ा वर्ग आयोग काका कालेलकर की अध्यक्षता में बनाया गया। दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग बीपी मंडल की अध्यक्षता में वर्ष 1979 में गठित किया गया जिसकी रिपोर्ट 1990 में लागू की गई थी। मंडल आयोग ने पिछड़े वर्ग के लिए

27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की थी। मंडल आयोग की रिपोर्ट ही मुसलमानों को पिछड़े वर्गों में सम्मिलित कराती है। रिपोर्ट में कहा गया था कि दो प्रकार की मुसलमान जातियां पिछड़ी जाति मानी जाएंगी, पहली, वे जो धर्म परिवर्तन से पहले हिन्दू अछूत जातियां थी और, दूसरी, वे हिन्दू पिछड़ी जातियां जिन्होंने धर्म परिवर्तन के बाद भी अपना परम्परागत व्यवसाय जारी रखा हो। इसके बाद अनेक राज्यों ने मुसलमानों की कुछ पिछड़ी जातियों को आरक्षण लाभ देना शुरू कर दिया था।

आरक्षण की संवैधानिक व्याख्या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर की जाती रही है। इंदिरा साहनी प्रकरण (1992) में न्यायालय द्वारा व्याख्या दी गयी थी कि पिछड़े वर्ग की 'क्रीमी लेयर' को आरक्षण लाभ नहीं मिलना चाहिए, पदोन्नति में आरक्षण नहीं हो और 50 प्रतिशत से अधिक भी नहीं होना चाहिए। इसके तुरन्त बाद संविधान संशोधन करके सरकार ने पदोन्नति में आरक्षण का आधार बरकरार रखा था।

पूरब व पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

टीएन नाइनन

पश्चिमी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब 'दबदबे' वाली भूमिका से बदलकर 'प्रतिरोधक' में तब्दील हो गया है। आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है। और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया। माओ ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी 'एक दिन पूरब की हवा पश्चिमी वायुमंडल पर छा जाएगी।' और अब यह होना शुरू हो गया है।

सालों तक, पश्चिमी विश्लेषकों और पत्रकारों ने चीन और रूस को पढ़ने में चूक की है। रूस को तो वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर मानते रहे और व्लादिमीर पुतिन को राजनीतिक रूप से चुनौती देने लायक समझते रहे। दशकों पहले चीन के भरभराकर ढहने की भविष्यवाणी भी की गई थी और हाल में उसे समस्याओं से घिरा बताते रहे। फिर भी रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों का अप्रत्याशित रूप से डटकर सामना किया, यूक्रेन में उसका हाथ ऊपर है और पुतिन ने एक बार फिर चुनाव में कार्यकाल अर्जित किया। इसी दौरान, तुलनात्मक आय स्तर वाली अर्थव्यवस्थाओं में चीन सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना रहा। अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई क्योंकि इसके निशाने पर वह वस्तुएं हैं जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता। इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यत: राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है। भले ही चीन निशाने पर ली गई इन वस्तुओं में बहुतों का बड़ा उत्पादक है लेकिन वह अपने माल के लिए अन्य मंडियां तलाश लेगा। बल्कि यह अमेरिकी आयातक हैं जिनके पास कुछ वस्तुओं को मंगवाने के वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं, फिर चीन तीसरे देश में लगाए अपने कारखानों की मार्फत इन वस्तुओं को अमेरिका पहुंचा सकता है। इसी बीच, अमेरिकी उपभोक्ता महंगा माल खरीदने के लिए विवश रहेंगे।

इस प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिकी उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपनाए गए आक्रामक रुख के विपरीत है। उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका के दुश्मनों की घेराबंदी करेंगे। कोई शक नहीं कि प्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसा कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा। रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूंढ लिए जबकि पूरबी यूरोप को अपनी ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई। इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होती गई।

रूस और चीन, दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है। रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है। उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है। भले ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाईना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है। जहां तक तकनीक का मामला है, किसी अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तरक्की कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है। अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है। उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में 7 नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौंका डाला और अब 5 नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है।

उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है। इसी बीच, पश्चिमी देशों की दवा उत्पादक कंपनियों ने भी शंघाई के निकट सुज़होऊ में बायो-बे जैसे विशालकाय नवोन्मेषण केंद्र में बायोफार्मा और लाइफ साइंस में हो रही तरक्की के बूते चीन की उभरती सरदारी को मान्यता दी है। रक्षा क्षेत्र में, चीन अपना चौथा विमानवाहक पोत बना रहा है जो शायद परमाणु ऊर्जा चालित होगा, यह एक अन्य तकनीक बाधा लांघने का प्रतीक है। सच्चाई यह है कि चीन के तकनीक विकास रथ को रोकने में बहुत देर हो चुकी है। रक्षा मोर्चे पर, पश्चिमी टिप्पणीकारों को इस संभावित उलटफेर की चिंता सता रही है कि कहीं रूस यूक्रेन में अपने मंसूबों में सफल हो गया तो आगे बाकी अर्ध-बर्बाद देश को न कब्जा ले। यदि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी बतौर राष्ट्रपति हो गई और उन्होंने नाटो संगठन से किनारा करने की अपनी पूर्व धमकी पर अमल कर डाला, तो हालात और बदतर हो सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी 6, फाइबर, आयरन, जिंक, कॉपर, फास्फोरस और कैल्शियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनके सेवन से न सिर्फ आप हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं बल्कि पाचन तंत्र को भी दुरुस्त कर सकते हैं। साथ ही, डायबिटीज के मरीजों के लिए तो ये एक औषधि जैसे होते हैं, क्योंकि इनकी मदद से ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखने में भी मदद मिव सकती है। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि सूरजमुखी के फूल की खूबसूरती की तरह ही इसके बीजों में सेहत के लिए कितनी चमक छिपी हुई है।

सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं

सूरजमुखी के बीज

वेट लॉस में फायदेमंद

सूरजमुखी के बीज खाने से मेटाबॉलिज्म रेट को बढ़ावा मिलता है, साथ ही यह मैग्नीशियम से भी भरपूर होते हैं। ऐसे में, इनके नियमित सेवन से आपको वेट लॉस में मदद मिल सकती है और मोटापा कंट्रोल में आ सकता है।

कब्ज दूर करे

सूरजमुखी के बीज फाइबर से भरपूर होते हैं, ऐसे में इन्हें डाइट में शामिल करने से आपको पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। बता दें, अगर आपको कब्ज की शिकायत रहती है, तो इन बीजों के सेवन से इससे काफी हद तक आराम पाया जा सकता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत

बोन हेल्थ को बढ़ावा देने के लिहाज से भी यह बीज काफी फायदेमंद होते हैं। अगर आप भी जोड़ों के दर्द से राहत पाना चाहते हैं, तो सूरजमुखी के बीज का सेवन बहुत लाभकारी है, क्योंकि इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक और आयरन की अच्छी मात्रा पाई जाती है।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

अगर आपको भी ब्लड प्रेशर में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, तो ऐसे में इन बीजों का सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए तो ये एक औषधि की तरह हैं, क्योंकि इनमें पोलीसैचुरेटेड फैट भरपूर मात्रा में होता है और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम होती है।

बेहतर डाइजेशन

पेट साफ करने में भी सूरजमुखी के बीजों का कोई मुकाबला नहीं है। बता दें, कि इनके सेवन से न सिर्फ आप पाचन तंत्र को मजबूत बना सकते हैं, बल्कि शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को भी बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं। रोजाना 2 बड़े चम्मच सूरजमुखी के बीज आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

हंसना मना है

रामू के हाथ में नया फोन देखकर बंटी बोला: नया फोन कब खरीदा? रामू: नया नहीं, गर्लफ्रेंड का है। बंटी: गर्लफ्रेंड का फोन क्यूं ले आया? रामू- रोज कहती थी, मेरा फोन नहीं उठाते। आज मौका मिला, तो उठा लाया।

मां ने घबराकर बेटे को फोन लगाया और कहा- बेटा जल्दी से घर आजा बहू को पैरालिसिस का अटैक आया है बहू का मुंह टेढ़ा, आंखे ऊपर और गर्दन घूमी हुई है बेटा बोला रहने दे मां, तू घबरा मत वो सेल्फी ले रही है।

सास: मुझे पूरा भरोसा है, तुम किचन संभाल लोगी बहू किचन में गई और कुछ टूटने की जोरदार आवाज आई सास: क्या तोड़ दिया बहू? बहू: आपका भरोसा।

बेटा: मम्मी, तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है? मां: बेटा तू तो करोड़ों का है। बेटा: तो उसी करोड़ों मे से 25,000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है। फिर मां ने की चप्पलों की बरसा॥

पत्नी: जब मैं गाने लगती हूं तो आप गैलरी में क्यों चले जाते हो? पति: ताकि लोगों को भ्रम ना हो कि मैं तुम्हारा गला दबा रहा हूं।

पति (पत्नी से): कहां गई थी, पत्नी: रक्तदान करने। पति: पीते-पीते ओवरफ्लो हो गया है जो अब बांटने भी लगी हो।

कहानी | मौत की सजा

बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिलशाह को डर था कि राजा कृष्णदेव राय अपने प्रदेश रायचूर और मदकल को वापस लेने के लिए हम पर हमला करेंगे। उसने सुन रखा था कि वैसे राजा ने अपनी वीरता से कोडीवडु, कोंडपल्ली, उदयगिरि, श्रीरंगपत्तिनम, उमत्तूर और शिवसमुद्रम को जीत लिया था। सुलतान ने सोचा कि इन दो नगरों को बचाने का एक ही उपाय है कि राजा कृष्णदेव राय की हत्या करवा दी जाए। उसने बड़े इनाम का लालच देकर तेनालीराम के पुराने सहपाठी और उसके मामा के संबंधी कनकराजू को इस काम के लिए राजी कर लिया। कनकराजू तेनालीराम के घर पहुंचा। तेनालीराम ने अपने मित्र का खुले दिल से स्वागत किया। उसकी खूब आवभगत की और अपने घर में उसे ठहराया। एक दिन जब तेनालीराम काम से कहीं बाहर गया हुआ था, कनकराजू ने राजा को तेनालीराम की तरफ से संदेश भेजा- 'आप इसी समय मेरे घर आएं तो आपको ऐसी अनोखी बात दिखाऊं, जो आपने जीवनभर न देखी हो। राजा बिना किसी हथियार के तेनालीराम के घर पहुंचे। अचानक कनकराजू ने छुरे से उन पर वार कर दिया। इससे पहले कि छुरे का वार राजा को लगता, उन्होंने कसकर उसकी कलाई पकड़ ली। उसी समय राजा के अंगरक्षकों के सरदार ने कनकराजू को पकड़ लिया और वहीं उसे ढेर कर दिया। कानून के अनुसार, राजा को मारने की कोशिश करने वाले को जो व्यक्ति आश्रय देता था, उसे मृत्युदंड दिया जाता था। तेनालीराम को भी मृत्युदंड सुनाया गया। उसने राजा से दया की प्रार्थना की। राजा ने कहा, 'मैं राज्य के नियम के विरुद्ध जाकर तुम्हें क्षमा नहीं कर सकता। तुमने उस दुष्ट को अपने यहां आश्रय दिया। तुम कैसे मुझसे क्षमा की आशा कर सकते हो? हां, यह हो सकता है कि तुम स्वयं फैसला कर लो, तुम्हें किस प्रकार की मृत्यु चाहिए?''मुझे बुढ़ापे की मृत्यु चाहिए, महाराज।' तेनालीराम ने कहा। सभी आश्चर्यचकित थे। राजा हंसकर बोले, 'इस बार भी बच निकले तेनालीराम।'

12 अंतर खोजें

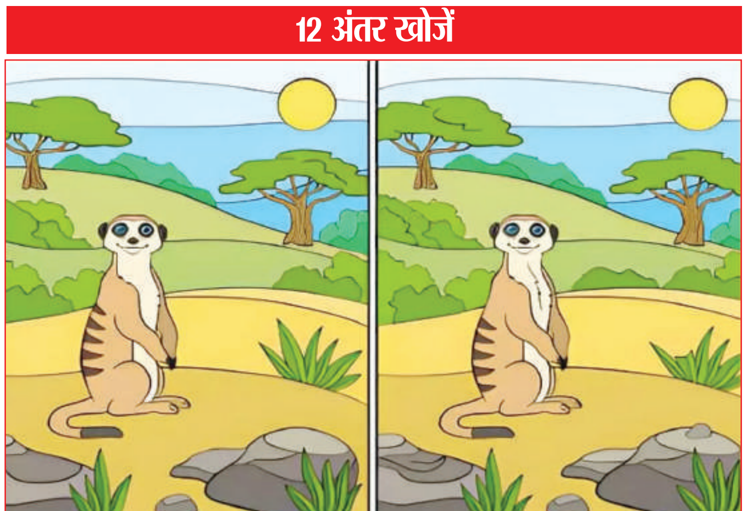

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

वृषभ

व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

मिथुन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

धनु

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क

हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह

किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कन्या

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

जल्द ही इल्लीगल-3 में नजर आएंगी नेहा शर्मा

नेहा शर्मा जल्द ही अक्षय ओबेरॉय के साथ इल्लीगल के तीसरे सीजन में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि वह ऐसे कई लोगों को जानती हैं, जो बीच की राय रखते हैं, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें इस तरह से बड़ा किया कि वह चीजों के बुरे और अच्छे की पहचान कर सकती हैं। सीजन-3 के बारे में बोलते हुए नेहा ने कहा, इस सीजन में निहारिका एक नए रूप में नजर आएंगी। बेशक, आपको अभी भी पुरानी निहारिका की झलक दिखेगी, लेकिन, अब जब उन्होंने पुनीत के साथ अपनी खुद की कंपनी बनाई है, तो वह बदल गई है। हम उनमें और जेजे (जनार्दन जेटली) के बीच कुछ ऐसी चीजें देखते हैं, जो दोनों में एक जैसी हैं। दोनों के लक्ष्य बदल गए हैं। वह इस सीजन में कई दिलचस्प मामले उठाती है, जो सभी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं ऐसे माहौल में पली-बढ़ी हूं, जिन्होंने मेरी अच्छे और बुरे की पहचान को बढ़ाया है। मैं ऐसे कई लोगों को जानती हूं, जो बीच की राय रखते हैं, लेकिन, मेरे माता-पिता ने मुझे इस तरह बड़ा किया कि मैं चीजों को या तो अच्छा या फिर बुरे के रूप में पहचान सकती हूं।

मैं इस सीजन में निहारिका से खुद को जोड़ नहीं पा रही हूं, क्योंकि वह बहुत बार ऐसे जोन में चली जाती है, जिनकी बीच की राय है। हालांकि, मैं निहारिका के कैरेक्टर के लिए हमारे लेखकों और निर्देशक की मंशा को समझती हूं और इसे जरुरी मानती हूं। कोर्टरूम ड्रामा सीरीज ने हाल ही में अपना ट्रेलर जारी किया।

सिंघम अगेन में जम्मू कश्मीर के पुलिस अधिकारी की कमान संभालेंगे अजय देवगन

सिंघम फिल्म फ्रेंचाइजी का कारवां आगे की तरफ बढ़ चला है। आने वाले समय में सिंघम अगेन यानी इस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। लंबे वक्त से अजय देवगन का नाम इस मूवी को लेकर चर्चा में बना हुआ है।

बाजीराव सिंघम के अवतार में अजय की वापसी के लिए फैंस बेताब हैं। इस बीच सिंघम अगेन से अभिनेता का लेटेस्ट लुक सामने आया है। जिसे निर्देशक रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है और बताया है कि इस बार अजय कौन से राज्य के पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाएंगे।

शुक्रवार को रोहित शेट्टी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अजय देवगन के सिंघम अगेन के लुक

का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें अजय पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है- बाजीराव सिंघम, जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसएसपी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप।

रोहित के इस पोस्ट से ये साफ होता है कि अजय इस बार सिंघम अगेन में जम्मू और कश्मीर के पुलिस अधिकारी की कमान संभालेंगे। इससे पहले वह सिंघम पार्ट वन में वह महाराष्ट्र पुलिस और दूसरे भाग में गोवा पुलिस के ऑफिसर बन चुके हैं।

ऐसे में अब सिंघम अगेन में उनका अंदाज और किरदार काफी अलग होने वाला है। हाल ही में इस मूवी की शूटिंग की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हुई थीं, जिनमें अजय अभिनेता जैकी श्रॉफ संग कश्मीर में सूट करते हुए नजर आए थे। अजय देवगन के अलावा सिंघम अगेन में अन्य बॉलीवुड फिल्म कलाकार मौजूद हैं। जिनमें टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, रणवीर सिंह, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण और अक्षय कुमार जैसे स्टार्स शामिल हैं। खास बात ये है कि अर्जुन इस फिल्म में विलेन का किरदार निभा रहे हैं। बता दें कि सिंघम अगेन की रिलीज डेट अभी तक रिवील नहीं की गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

टीवी सेट्स पर छोटे आर्टिस्टों के साथ होता है जानवरों जैसा व्यवहार: सुनीता

सुनीता रजवार इन दिनों पंचायत सीरीज को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने मीडिया के साथ बातचीत में अपने करियर के दौरान झेले भेदभाव और गंदे बर्ताव को लेकर खुलकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे टीवी इंडस्ट्री में छोटे कलाकारों के साथ खराब व्यवहार होता है। पंचायत 3 एक्ट्रेस सुनीता राजवार ने कहा कि टीवी सेटस पर छोटे आर्टिस्ट के साथ जानवरों जैसा व्यवहार होता है। उन्होंने कहा कि इतना बुरा व्यवहार होता है कि एक वक्त पर उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। सुनीता राजवार ने बताया कि इंडस्ट्री आमतौर पर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर देती है क्योंकि ऐसे में मेकर्स के लिए उन्हें स्लॉट करना आसान होता है। कई बार एक्टर्स इन सब चीजों के लिए मान जाते हैं क्योंकि उन्हें अपनी जीविका चलानी होती है और वो अपने रोल को रिजेक्ट करने का रिस्क नहीं ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह दर्दनाक है लेकिन यह एक सच्चाई है। सुनीता राजवार ने बड़े एक्टर्स और सपोर्टिंग एक्टर्स के बीच होने वाले भेदभाव के बारे में बात करते हुए कहा कि बड़े एक्टर्स को सेट पर सभी तरह की सुविधाएं मिलती हैं। वहीं, सपोर्टिंग एक्टर्स को कुछ भी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। उन्होंने बताया कि बड़े एक्टर्स को कॉल टाइम उनकी सुविधा के अनुसार मिलता है। उन्होंने कहा कि मैं समझती हूं कि बड़े एक्टर्स को महीने के 30 दिन शूट करना होता है। कभी कभी उन्हें हफ्ते के सात दिन और 24 घंटों शूट करना पड़ता है, लेकिन सेट पर होने वाला भेदभाव अपमानजनक होता है। उन्होंने कहा कि अगर आपको पता है कि आप किस आर्टिस्ट के साथ शूट कर रहे हैं तो उन्हें बाद में बुला लीजिए। उन्हें बुलाकर बिठाने का क्या फायदा होता है। इस दौरान उन्होंने टीवी सेट पर कंडीशन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि लीड एक्टर्स को पैंपर करके रखा जाता है। उनके कमरे साफ-सुथरे होते हैं। उनके कमरे में फ्रिज, माइक्रोवेव तक होते हैं। वहीं, मेरे जैसे सपोर्टिंग एक्टर्स और छोटे कलाकारों को छोटे गंदे कमरे दिए जाते हैं जहां तीन से चार लोग बैठे होते हैं। कमरे की छत गिर रही होती है।

अजब-गजब शादी! बरगद का पेड़ बना दूल्हा तो पीपल का पेड़ दुल्हन

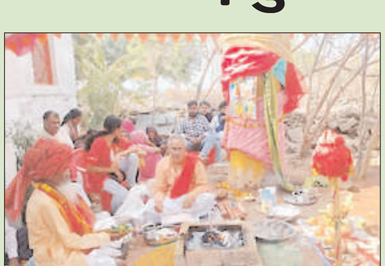

पीपल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर, कोटा कनवास तहसील के गांव आमली झाड़ में एक अनोखी शादी का आयोजन हुआ। इस शादी में कोई दूल्हा-दुल्हन नहीं थे, बल्कि दो पेड़ों की शादी हुई। दरअसल यहां बरगद और पीपल का विवाह संपन्न हुआ। यह अनोखी शादी वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू परंपराओं के अनुसार हुई। बारात में गांव के ही लोग शामिल हुए और मंगल गीत के बीच आचार्य ने मंत्र उच्चारण कर फेरे कराए। शादी में शामिल होने के लिए सभी ग्रामीण पहुंचे और इस अनोखे विवाह को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही।

शादी से पहले देवली मांजी थाना क्षेत्र में दोनों पेड़ों की कुंडली मिलवाई गई थी। इसके बाद हल्दी और मेहंदी की रस्म के साथ ही लोगों को आमंत्रण भेजकर बुलाया गया। विवाह से पूर्व मेहंदी, हल्दी, और बासन कार्यक्रम हुआ। इसके बाद विवाह के लिए बरगद के पेड़ को दूल्हा और पीपल के पेड़ को दुल्हन की तरह सजाया गया। इस मौके पर महिलाओं ने मंगल गीत गाए और धार्मिक अनुष्ठान आचार्य हेमराज शर्मा ने गोधूलिक वेला मुहूर्त में पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। विवाह के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने शादी को संपन्न कराने में बढ़-चढ़कर भाग लिया और हजारों भक्त पाणिग्रहण संस्कार के साक्षी बने। आचार्य हेमराज शर्मा ने बताया कि हिंदू रीति-रिवाज में सभी धार्मिक कार्य पीपल के पेड़ में किए जा सकते हैं और विवाह करने के बाद ही यह वृक्ष पवित्र माना जाता है। शादी के बाद पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने से मनोकामना पूर्ण हो जाती है और यह बंधन बांधने और पूजा करने के लिए पवित्र माना जाता है। यह अनोखी शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है और लोग इस अनोखी परंपरा की सराहना कर रहे हैं।

अजब-गजब | इस गांव में मिलती है हेलीकॉप्टर टैक्सी

इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे अमीर गांव

गांव के बारे में सोचते ही अक्सर हमारे दिमाग में गरीबी का ध्यान आता है। इसकी वजह यह भी समझी जाती है कि अमूमन गांवों में उन सुविधाएं पहुंचना मुश्किल होता है जो कि शहरों में आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन क्या ऐसे गांव भी होते हैं जहां शहरों जैसी कई सुविधाएं मिलती हैं? गांव इसी तरह का है, जहां थीम पार्क, हेलीकॉप्टर टैक्सी जैसी सुविधाएं मिल जाएंगी। इसे चीन का सबसे अमीर गांव बताया जाता है।

चीन के जियांग्सू प्रांत का हुआक्सी गांव 30340 से अधिक निवासियों का घर है। यह गांव अपनी ताकत और शक्तियों के दम पर खड़े किसी आलीशान शहर से कम नहीं है। हुआक्सी में एक थीम पार्क, हेलीकॉप्टर टैक्सी, महंगे घरों की कतारें और वह सब कुछ है जो एक गांव से नहीं बनता है।

हुआक्सी में कैपिटल हिल और सिडनी ओपेरा हाउस जैसी चीजें भी हैं। उनके पास पूर्वी चीन के जियांगशी प्रांत के नानचांग में महान दीवार भी है जो चीनी राष्ट्रीय दिवस की छुट्टियों के सुनहरे सप्ताह के दौरान बहुत सारे स्थानीय पर्यटकों को खींचती है। कहा जाता है कि हुआक्सी गांव के 2000 निवासियों में से हर एक निवासी के बैंक में 10 लाख युआन यानी

एक करोड़ से अधिक राशि है।

हुआक्सी पूरी तरह से ही समाजवादी तरीके से चलने वाला गांव है। लेकिन यह साम्यवादी तरीके से चलने वाले सबसे अमीर गांव के रूप में दशकों से पेश किया जाता रहा है। यहां सहकारिता के जरिए करीब 80 फैक्ट्रियां चलाई जाती हैं। दावा यहां तक किया जाता है कि यह पूरी दुनिया का सबसे अमीर गांव है। कुछ साल पहले एक वीडियो सुर्खियों में आया था, जिसमें दिखाया गया था कि यहां के लोग पैसा हासिल करने के लिए परेशान हो रहे हैं। यहां के लोगों ने जिस हुआक्सी ग्रुप में पैसा लगाया था उसका डिविडेंड गिर कर 30 से केवल 0.5 फीसदी तक रह गया था। इस वजह से लोग अपना मूल धन डूबने से बचाने के लिए कतार में लगे थे। पर हाल ही में इंस्टाग्राम में शेयर किए गए वीडियो में इस शानदार गांव की झलक दिखाई गई है। वहीं 7 साल पुराने यूट्यूब वीडियो में यहां हेलीकॉप्टर टैक्सी तक उड़ते दिख रही हैं। इतना ही नहीं यहां की एक इमारत ऐसी है जिसे एफिल टॉवर से 4 मीटर बड़ा बताया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के साथ किया धोखा : राहुल गांधी

» बोले - जबरदस्ती अग्निपथ योजना थोपी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्निपथ योजना जबरदस्ती थोपकर उन युवाओं के साथ धोखा किया है जो सेना में भर्ती होने का सपना देखते हैं। उन्होंने एक टेम्पो पर कुछ ऐसे युवाओं से बातचीत का वीडियो एक्स पर साझा किया जो सेना में भर्ती होना चाहते थे, लेकिन अग्निपथ योजना लागू होने के कारण उनका सपना पूरा नहीं हो सका।

राहुल गांधी ने कहा, देशभक्ति के टेम्पो में सवारी के दौरान युवाओं की पीड़ा को और करीब से जाना। देश सेवा का सपना देखने वाले युवाओं के साथ नरेन्द्र मोदी ने धोखा किया है, सेना और इन पर अग्निपथ योजना जबरदस्ती थोप दी। उनका कहना है कि इंडिया गठबंधन की सरकार में इन बहादुर युवाओं के साथ न्याय होगा, हम इनके सपनों को टूटने नहीं देंगे।

केजरीवाल को मिल रहे लाइमलाइट से नाखुश हैं राहुल : रेड्डी

इस बीच, भाजपा ने गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और कहा कि वह जमानत मिलने के बाद केजरीवाल को मिल रहे ध्यान से नाखुश हैं। राहुल पर हमला करते हुए बीजेपी प्रवक्ता विनुषा रेड्डी ने लिखा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल की रिहाई को उनके यूसी होने से जोड़ते हुए जमानत न मिलने के लिए हेमंत सोरेन की जाति को जिम्मेदार ठहराया। वह वास्तव में नाखुश हैं क्योंकि केजरीवाल ने उनकी सारी लाइमलाइट ले ली, लेकिन इससे समाज के मन में एक खतरनाक विभाजन पैदा हो गया है जो सोरोस की कठपुतली की बयानबाजी से प्रभावित हो सकता है।

आदिवासी होने की वजह से सोरेन को नहीं मिली जमानत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बीच तुलना की और भारतीय न्यायपालिका पर कुछ समुदायों के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त होने का आरोप लगाया। हरियाणा के पंचकुला में संविधान सम्मान सम्मेलन नामक एक सत्र को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि दो मौजूदा मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया गया था और जो पहले जेल गया वह अभी भी सलाखों के पीछे है, मूलतः क्योंकि वह एक आदिवासी समुदाय से है। मायावती भ्रष्ट हैं, लेकिन नवीन पटनायक नहीं, लालू यादव भ्रष्ट हैं... अगर कोई आदिवासी या दलित है, तो उसे स्वचालित रूप से फंसा दिया जाता है।

मोदी के भाषणों ने पीएम पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि इस चुनाव में विपक्ष के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण चिंता का विषय हैं। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे इलाकों में राहत कार्य तेज करने के लिए निर्वाचन आयोग से आदर्श आचार संहिता में ढील देने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति सरकार की अपील का स्वागत किया। पवार ने कहा, प्रधानमंत्री का पद एक संस्था है।

मोदी एक बहुत महत्वपूर्ण पद पर आसीन हैं। लेकिन चुनावी रैलियों में वह क्या बोल रहे हैं, इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी को लेकर पूछे गए एक सवाल पर 83 वर्षीय राजनेता अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। मोदी ने हिमाचल में रैली के दौरान दावा किया कि जब-जब कांग्रेस सत्ता में रही तब-तब भारत में सबसे कमजोर सरकारें रहीं। मोदी ने रैली में कहा, उस वक्त पाकिस्तान हमारे सिर पर चढ़कर नाचता था। कांग्रेस की कमजोर सरकारें दुनियाभर में मदद की गुहार लगाती थीं। लेकिन अब भारत अपनी लड़ाई खुद लड़ेगा। पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी भाषण चिंता का विषय हैं।

शाह का भाजपा के 310 पार होने का दावा निराधार

राकांपा-एसपी प्रमुख पवार ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भाजपा के 310 पार होने का दावा निराधार है। लोकसभा चुनाव के सात चरण में से दो चरण अभी भी बचे हैं। जिम्मेदार लोगों को किसी आधार पर बोलना चाहिए। हम इस तरह के बयान स्वीकार नहीं करते। विपक्ष के वरिष्ठ नेता ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए आदर्श आचार संहिता में ढील देने की राज्य सरकार के रुख का स्वागत किया। इसमें कोई राजनीति नहीं है। हम सरकार के साथ सहयोग करेंगे क्योंकि महाराष्ट्र में चुनाव खत्म होने के बाद उन्होंने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर सही रुख अपनाया है।

विपक्ष को दुश्मन नहीं मानता, उनकी सलाह का स्वागत है : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह विपक्ष को दुश्मन नहीं मानते। वे किसी को कम कर नहीं आंकते, 60-70 साल तक देश में शासन किया है। उन्होंने जो अच्छे काम किए हैं उनसे सीखना चाहता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि अगर उनमें से कोई उन्हें सलाह देना चाहे तो इसका स्वागत है।

पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस दावे पर भी टिप्पणी ,की जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार जल्दी ही एक्सपायर होने वाली है। पीएम मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी सही कह रही हैं, यह सरकार चार जून को एक्सपायर हो जाएगी और नई सरकार बनेगी। चार जून के बाद नई सरकार बनेगी और इसे हम बनाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वे काशी से हैं और अविनाशी हैं, सरकार ने चंद्रयान 3 के लैंडर विक्रम के टचडाउन प्वाइंट को शिवशक्ति नाम क्यों दिया। विपक्ष शासन में होता तो वे परिवार के सदस्यों के ऊपर नाम रख देते।

कर्नाटक में भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

राजधानी को उड़ता बेंगलुरु कहा, कांग्रेस बोली- राज्य को बदनाम करने की हो रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक की राजधानी को उड़ता बेंगलुरु कहे जाने पर कांग्रेस के निशाने पर बीजेपी आ गई है। कांग्रेस ने कहा बीजेपी जानबूझकर राज्य को बदनाम कर रही है। दरअसल कानून व्यवस्था की कथित खराब स्थिति के लिए सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि राज्य की राजधानी मादक पदार्थों और रेव पार्टियों का अड्डा बनती जा रही है।

भाजपा ने इसके लिए उड़ता बेंगलुरू शब्द का भी इस्तेमाल किया। बेंगलुरु पुलिस द्वारा हाल में एक फार्महाउस में रेव पार्टी का भंडाफोड़ करने के बाद भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि जब से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है तब से बेंगलुरु में हर जगह अनैतिक आयोजन हो रहे हैं। कर्नाटक भाजपा ने कन्नड भाषा में किए एक पोस्ट में कहा, कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है और सरकारी अव्यवस्था उजागर हो गई है। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद बेंगलुरु में हर जगह अनैतिक आयोजन हो रहे हैं। सिलिकॉन सिटी अब मादक पदार्थ, गांजा और रेव पार्टियों का अड्डा बन गई है। भाजपा ने राज्य सरकार पर निशाना साधने के लिए हैशटैग बैड बेंगलुरु और हैशटैग कांग्रेसफेल्सकर्नाटक के साथ मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तस्वीरों वाला एक पोस्टर भी

राज्य सरकार नशीले पदार्थ की समस्या पर सख्त है : परमेश्वर

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि विपक्ष का यह कहना सही नही है कि बेंगलुरु उड़ता बेंगलुरु बन रहा है और उन्हें आरोप नही लगाना चाहिए। भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार इस (नशीले पदार्थ की समस्या) पर सख्त है और किसी को भी बख्शेगी नही। उन्होंने कहा करोड़ो रुपए के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। हमने इसे जला दिया और हम लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं। कई विदेशी छात्रो को निर्वासित कर दिया गया है और हम उनके ठिकानो और गतिविधियो पर लगातार नजर रख रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के बीच राज्य में निवेश को लेकर वाकयुद्ध

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने राज्य में निवेश परिदृश्य के बारे में झूठ फैलाने को लेकर भाजपा नेताओं की आलोचना की। वह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजएंद्र के इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे कि कर्नाटक सुस्त और सोई हुई कांग्रेस सरकार का सीधा परिणाम भुगत रहा है। विजएंद्र का बयान इस खबर के आलोक में आया कि गूगल (कंपनी) पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में स्मार्ट फोन और ड्रोन का उत्पादन करेगी। शिवकुमार ने कहा, भाजपा नेता कर्नाटक में निवेश के बारे में झूठी जानकारी ट्वीट कर रहे हैं। उन्हें झूठ फैलाने को लेकर शर्म आनी चाहिए। हम उन्हें चुनाव के बाद दस्तावेज के साथ सबूत देंगे। जब उनसे यह कहा गया कि भाजपा के नेता कह रहे हैं कि कंपनियां कर्नाटक के बजाय पड़ोसी राज्यों में निवेश कर रही हैं, तब उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा नेताओं को) तथ्यों की जांच कर लेनी चाहिए। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा के कुशासन के चलते लाखों उद्योगपति एवं व्यापारी देश से चले गए है। शिवकुमार के मुताबिक कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद निवेशक एक बार फिर राज्य में रुचि दिखा रहे है।

रायल्स को हराकर सनराइजर्स फाइनल में

» हैदराबाद ने राजस्थान को 36 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। राजस्थान रॉयल्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 36 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पैट कमिंस की कप्तानी में हैदराबाद ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी।

आईपीएल 2024 के दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 36 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पैट कमिंस की कप्तानी में हैदराबाद ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। इस दौरान शाहबाज अहमद ने 3, अभिषेक ने दो और कमिंस-नटराजन ने 1-1 विकेट छटका। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत धीमी रही। टीम ने 4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 24 रन बनाए। कैडमोर 16 गेंदों में 10 रन ही बना सके। यशस्वी जायसवाल ने 21 गेंद में 42 रन की दमदार पारी खेली। कप्तान संजू सैमसन 11 गेंद में 10 रन ही बना सके। रियान पराग ने 10 गेंद में 6 रन और अश्विन बिना खाता खोले आउट हो गए। शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 4 रन ही बना सके हैं।

क्लासेन ने बनाए सबसे ज्यादा रन

पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से हेनरिक क्लासेन ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पहले ही ओवर में अभिषेक शर्मा का विकेट गंवा दिया। अभिषेक ने 5 गेंद में 12 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंदों में 37 रन ठोके। एडन मार्करम कमाल नहीं दिखा पाए और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। ट्रेविस हेड ने 28 गेंद में 34 रन बनाए। नीतीश 10 गेंद में पांच रन और अब्दुल बिना खाता खोले आउट हुए। हेनरिक क्लासेन ने 34 गेंद में 50 रन बनाए। शाहबाज अहमद 18 और जयदेव 5 रन बना सके। ट्रेंट बोल्ट और आवेश ने 3-3 विकेट चटकाए।

दिग्गजों ने अपने मताधिकार का किया उपयोग

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद।

आप सांसद संजय सिंह सपत्नीक

विदेश मंत्री एस. जयशंकर

भाजपा सांसद गौतम गंभीर

सांसद मनोज तिवारी

प्रियंका गांधी की बेटी मिराया और बेटे रेहान

क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी

अपने पिताजी के साथ बांसुरी स्वराज।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा परिवार के साथ।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी पत्नी के साथ।

इंडिया ब्लॉक में होने पर मुझे गर्व है: प्रियंका गांधी

मोदी सरकार पर किया बेरोजगारी को लेकर कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आम चुनाव के छठे चरण में दिल्ली के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालने के बाद प्रियंका वाड्रा ने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई प्रमुख मुद्दे हैं और हर कोई चाहता है कि चुनाव इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए।

चुनाव में राहुल गांधी द्वारा आप को वोट देने और अरविंद केजरीवाल द्वारा कांग्रेस को वोट देने के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा, हम अपनी शिकायतों को दूर रख रहे हैं और अपने संविधान और लोकतंत्र के लिए वोट डाल रहे हैं। मुझे इस बात पर गर्व है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है, लोगों में यह धारणा है कि बीजेपी के नेता बेरोजगारी और महंगाई जैसे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं कर रहे हैं...भारत गठबंधन लोगों के वास्तविक मुद्दों पर बात कर रहा है। दिल्ली में दिलचस्प मुकाबले में आप और कांग्रेस संयुक्त रूप से भाजपा से मुकाबला कर रही है, जिसने पिछले दो चुनावों में राष्ट्रीय राजधानी की सभी सात लोकसभा सीटें जीती थीं। कांग्रेस जहां राष्ट्रीय राजधानी में तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दोनों पार्टियां इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं। इससे पहले, कांग्रेस चुनाव में भारत गठबंधन की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त थी। राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और उनके बच्चे रेहान राजीव वाड्रा और मिराया वाड्रा राष्ट्रीय राजधानी में एक मतदान केंद्र के बाहर इंतजार कर रहे थे, जहां प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपना वोट डाला।

चार तारीख को देश मोदी को अलविदा कह देगा : जयराम

कांग्रेस के आरएस सांसद जयराम रमेश ने कहा, 5 चरण के चुनाव हो चुके हैं.. पहले 2 चरण के बाद यह स्पष्ट हो गया कि दक्षिण में बीजेपी साफ और उत्तर में हाफ, इसलिए 4 तारीख को भारतीय गठबंधन को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश मिलेगा। जून और 4 तारीख को देश उन्हें (पीएम मोदी) अलविदा कह देगा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा गठबंधन दिल्ली की सभी सात सीटें जीतेगा।

तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ बाहर आकर मतदान करें : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने मतदाताओं से तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ बाहर आकर मतदान करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि मैं आज बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में मतदान करने वाले अपने भाइयों-बहनों से आग्रह करता हूं कि ऐसी सरकार चुनें जो आपसे किया हर वादा पूरा करे और आपको गैस, बिजली, सड़क और राशन देने के साथ-साथ चिकित्सा की चिंता से भी मुक्त करे। राज्य से तुष्टीकरण, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के गठजोड़ को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए मतदान करना सुनिश्चित करें।

मेनका ने सुल्तानपुर में वोटिंग के दौरान गिनाईं खामियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर संसदीय सीट से मौजूदा सांसद और इस बार भी बीजेपी की उम्मीदवार मेनका गांधी ने कहा कि ईवीएम में 2-3 जगहों पर छोटी-छोटी दिक्कतें हैं, कुछ मतदान अधिकारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित नहीं हैं और यहां तक कि हमारे कुछ एजेंट भी प्रक्रिया को लेकर अनजान हैं, इसलिए यह हिंट एंड मिस प्रोसेस है।

सुल्तानपुर से अलग कई और जगहों पर भी ईवीएम में दिक्कतें आईं। यूपी के सिद्धार्थनगर में एक पोलिंग बूथ पर मतदान शुरू होने से पहले पीठासीन अधिकारी को माकपोल कराना था। इसके लिए सूचना कंट्रोल रूम को देनी थी, लेकिन सुबह 8.45 बजे तक कंट्रोल रूम को 19 बूथ के संबंध में कोई सूचना नहीं मिल पाई। यह सभी बूथ शैडो एरिया में स्थित हैं। शैडो एरिया में कोई मोबाइल का नेटवर्क काम नहीं करता है, कंट्रोल रूम प्रभारी डीएस यादव ने बताया कि नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ बूथ के माकपोल की सूचना नहीं मिल सकी।

बिभव ने की जमानत की अपील कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल मारपीट मामले के मुख्य आरोपी बिभव कुमार को दिल्ली की एक अदालत ने चार दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं बिभव ने अपनी जमानत के लिए भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पुलिस हिरासत में पांच दिन बिताने के बाद बिभव कुमार को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में पेश किया गया था।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने बिभव कुमार के लिए चार दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की थी। सोमवार को, पुलिस उसे अपराध स्थल को फिर से बनाने के लिए केजरीवाल के आवास पर कथित हमले के स्थान पर ले गई थी। उन्हें शनिवार (18 मई) को मुख्यमंत्री आवास से गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस में दर्ज कराई गई एफआईआर में मालीवाल ने आरोप लगाया है कि वह सोमवार सुबह केजरीवाल से मिलने उनके कैंप ऑफिस स्थित आवास पर गई थीं।

कर्नाटक से राममंदिर दर्शन करने आ रही श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। कर्नाटक से अयोध्या आ रही मिनी बस बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के प्रयागराज हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में बस में सवार तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से एक श्रद्धालु को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

एक मिनी बस में सवार होकर श्रद्धालुओं का दल रामलला के दर्शन करने आ रहा था। बीकापुर के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कर्नाटक के गुलवर्ग निवासी शिवपूजन 56 वर्ष, तनसय्या 45 वर्ष और शिवराज 60 वर्ष की मौत हो गई। इसके अलावा सुगलाबाई, अनुरप्पा, राजाराम, तारावती, प्रीति, शिवलीला, चंद्रकांता, इंदु, चंद्रमा, महादेव समेत 11 लोग घायल हो गए। जिला अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल अफसर आशीष पाठक ने बताया कि हालत गंभीर होने पर एक मरीज को मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर रेफर कर दिया गया है।

तेज रफ्तार से आ रहा चक्रवाती तूफान रेमल

बांग्लादेश और बंगाल के तटों से कल शाम तक टकराएगा

» मौसम विभाग ने राज्यों के लिए जारी किया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान रेमल बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों से रविवार शाम तक टकराएगा। इस चक्रवाती तूफान को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। यह बंगाल की खाड़ी में यह मानसून सीजन का पहला चक्रवात होगा। इस चक्रवात की वजह से 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल समेत उत्तरी ओडिशा, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर के तटीय जिलों में 26 और 27 मई को भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम मध्य और समीपवर्ती दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर चिह्नित निम्न दबाव का क्षेत्र 24 मई को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर खेपुपारा (बांग्लादेश) से लगभग 800 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और कैनिंग (पश्चिम बंगाल) से 810 किमी दक्षिण में एक तूफान में बदल चुका है। ये तूफान इस समय उत्तर की बढ़ रहा है। ये तूफान 26 मई की मध्यरात्रि के आसपास सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच बांग्लादेश और आसपास के पश्चिम बंगाल तटों को पार कर सकता है। केरल में प्री-मानसून गतिविधियों ने तबाही मचा दी है। केरल के कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है। केरल के सात जिलों के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। अंडमान निकोबार में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।